



प्रीलिम्स फैक्ट्स : 17 अक्टूबर, 2018

 drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-fact-17-10-2018

भारतीय विश्वविद्यालयों हेतु QS रैंकिंग

- हाल ही में QS (Quacquarelli Symonds) ने अपनी पहली भारत-विशिष्ट रैंकिंग, इंडिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग की शुरुआत की है। यह भारतीय संस्थानों के लिये विशेष रूप से रैंकिंग का पहला संस्करण है।
- QS द्वारा आयोजित यह दूसरी देश-विशिष्ट रैंकिंग है। पहली रैंकिंग चीन के लिये जारी की गई थी।
- QS यूनाइटेड किंगडम आधारित एक वैश्विक उच्च शिक्षा कंपनी है जो QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग जारी करती है।
- इस रैंकिंग के अंतर्गत इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (IIT), मुंबई ने शीर्ष स्थान हासिल किया है, जबकि दूसरे स्थान पर भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), बेंगलुरु है।
- इस रैंकिंग में शीर्ष 75 भारतीय विश्वविद्यालयों को शामिल किया गया है।
- रैंकिंग में प्रयुक्त संकेतक इस प्रकार हैं- अकादमिक प्रतिष्ठा (30 प्रतिशत), नियोक्ता प्रतिष्ठा (20 प्रतिशत), संकाय-छात्र अनुपात (20 प्रतिशत), संकाय के प्रति सदस्य शोध संख्या (20 प्रतिशत), अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का अनुपात (2.5 प्रतिशत) तथा अंतर्राष्ट्रीय संकाय का अनुपात (2.5 प्रतिशत)।

पंडवानी गायिका तीजन बाई

- हाल ही में छत्तीसगढ़ की लोक गायिका तीजन बाई को उनकी पंडवानी कला के लिये जापान का सबसे बड़ा सम्मान 'फुकुओका कला एवं संस्कृति पुरस्कार' प्रदान किया गया है।
- इससे पहले यह पुरस्कार भारतीय संगीतकार ए.आर. रहमान को दिया गया था।
- तीजन बाई को मिलने वाला यह पुरस्कार पूर्वी एशिया में भारत की मजबूत एवं उदार शक्ति को प्रतिबिंबित करता है।

पंडवानी का परिचय

- पंडवानी (शाब्दिक अर्थ 'पांडवों के गीत') एक लोक रंगमंच का स्वरूप है। इस स्वरूप में एक हाथ में एकतारा या तानपुरा तथा दूसरे हाथ में कभी-कभी खड़ताल के साथ अभिनय और गायन शामिल होता है।
 - यह ग्रामीण मनोरंजन है, जो छत्तीसगढ़ और पड़ोसी राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों में लोकप्रिय है।
 - संगीत नाटक अकादमी (संस्कृति मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्तर की अकादमी) ने इस नाटक-कला के दस्तावेजीकरण तथा इसे बढ़ावा देने की जिम्मेदारी ली है।
-

गायल (गौर) या मिथुन (**Bos Frontalis**)

- हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के राजकीय पशु मिथुन (*Bos frontalis*) की बड़ी संख्या में हत्या के मुद्दे ने असम और अरुणाचल प्रदेश के अंतर-राज्य सीमा पर ग्रामीणों के बीच तनाव उत्पन्न कर दिया है।
- मिथुन या गायल (*Bos frontalis*) को भारतीय गौर या बिजोन (*Bison*) का वंशज माना जाता है। यह न्यिशि, अपतानी, गालो, मिश्मी, आदि, शेरडुकपेन और अरुणाचल प्रदेश के अन्य समुदायों के सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- इन्हें पवित्र माना जाता है क्योंकि सभी अनुष्ठानों में मिथुन की बलि देना अनिवार्य है।
- इसे 'पहाड़ों का पशु' तथा 'पहाड़ों का जहाज' के रूप में भी जाना जाता है।
- यह ठंड और नरम मौसम पसंद करता है तथा जंगल की पत्तियों, झाड़ियों एवं घास पर निर्भर रहता है। इस प्रजाति की प्रजनन क्षमताकाफी उच्च होती है।
- इसे IUCN द्वारा सुभेद्य पशु के रूप में वर्गीकृत किया गया है।